महत्वपूर्ण एवं खास

एनटीपीसी कोरबा ने सफलतापूर्वक दो आदर्श मतदान केंद्रों में मतदान कराया

कोरबा (आरएनएस)। लोकसभा आम निर्वाचन के तीसरे चरण अंतर्गत एनटीपीसी कोरबा में दो आदर्श मतदान केंद्र (मॉडल मतदान केंद्र) बनाए गए। सरस्वती शिशु मंदिर कृष्णा विहार आदर्श मतदान केंद्र में पिंक पोलिंग बूथ क्रमांक 27, 28 और 30 बनाए गए तथा स्वामी आत्मानंद अंग्रेजीध् हिंदी विद्यालय यमुना विहार आदर्श मतदान केंद्र में महिला सशक्तिकरण बूथ क्रमांक 29 और 31 बनाए गए थे। एनटीपीसी कोरबा ने इन दोनों पोलोंग बूथों पर सभी नासिक सुविधाएं प्रदान की थीं और अपने कर्मचारियों को मतदान करने के लिए प्रोत्साहित भी किया था। ये दोनों मतदान केंद्र एनटीपीसी कोरबा द्वारा बनाए गए मॉडल मतदान केंद्र थे। कोरबा विधानसभा अंतर्गत एनटीपीसी कोरबा के सरस्वती शिशु मंदिर तथा स्वामी आत्मानंद अंग्रेजीध् हिंदी विद्यालय मतदान केन्द्रों में महिला मतदान दल द्वारा अपनी कार्य कुशलता का परिचय देते हुए सुगमता पूर्वक मतदान कराया गया।

आई टी कालेज परिसर में नि:शुल्क शीतल पेयजल एवं चाय व बिस्किट वितरित किया गया

कोरबा (आरएनएस)। लायंस क्लब्स इंटरनेशनल द्वारा संचालित लायंस क्लब कोरबा द्वारा नगर पालिक निगम कोरबा के तत्वाधान में दिनांक 7 मई को आई टी कालेज परिसर में लोकसभा निर्वाचन 2024 के वोटिंग पश्चात वोटिंग मशीन जमा करने आये सभी व्यक्तियों एवं उपस्थित कर्मचारियों के लिए शुद्ध शीतल पेयजल, चाय व बिस्किट की व्यवस्था किया गया। जिसमें पानी की व्यवस्था लायन सुभाष अग्रवाल बालाजी द्वारा किया गया। सायं 7 से लेकर सुबह 4 बजे तक चले इस कार्यक्रम में लगभग 4000 से अधिक व्यक्ति लाभान्वित हुए। आयुक्त नगर पालिक निगम कोरबा ने स्वयं स्थल का निरीक्षण किया व उनके द्वारा कार्य की प्रशंसा किया गया। उक्त कार्यक्रम में लायन सत्येन्द्र वासन, लायन रोहित राजवाड़े, लायन रविशंकर सिंह, लायन दीपक माखीजा, लायन दीपक अग्रवाल, लायन संतोष खरे एवं अन्य लायन सदस्यों की गरिमामय उपस्थिति थी।

अंधड़ से कई क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति बाधित

कोरबा (आरएनएस)। मतदान दिवस को दोपहर बाद मौसम का रूख बदलने के साथ काफी तेज रफ्तार से आए अंधड़ ने जहां लोगों को डराया, वहीं अपने प्रभाव से समस्याएं भी पैदा कर दी। विद्युत लाइन के तार टूटने के कारण शहर के अलावा ग्रामीण क्षेत्रों में अनेक स्थानों पर बिजली आपूर्ति बाधित हुई। मेंटनेंस अमले ने कई घंटे की मशक्कत के बाद ऐसे क्षेत्रों में बिजली बहाल की। शहरी इलाके में यह काम हो गया है लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों में बड़ा हिस्सा अभी भी अंधेरे में डूबा हुआ है। बिजली कंपनी इस बारे में जानकारी लेने के बाद कामकाज करने की बात कह रही है। दूसरी ओर कोरबा में एसईसीएल सहित कई रास्तों पर अंधड़ के असर से पेड़ों के टूटकर गिरने की घटनाएं हुई। इसमें संपत्ति को नुकसान पहुंचा। साथ ही रास्तों से आवाजाही भी बाधित हुई। क्षतिग्रस्त पेड़ों को हटाने का फिलहाल नहीं हुआ है।

केंद्री स्टेशन में बनेगी कोचिंग डिपो

कोरबा (आरएनएस)। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायपुर मंडल की ट्रेनों की साफ-सफाई और मरम्मत करने रेलवे ने केंद्री स्टेशन में कोचिंग डिपो बनाने की तैयारी की है। मंडल के अधिकारियों का कहना है कि राजधानी के मुख्य स्टेशन में मंडल की गाडियों को खड़ी करने और साफ-सफाई के लिए जगह नहीं है। वर्तमान में ट्रेनों का मरम्मत व रखरखाव दुर्ग और बिलासपुर डिपो में होता है। इसके अलावा मंडल की कुछ गाडियां दुर्ग से रायपुर आती हैं। मंडल में कोचिंग डिपो बनाने को लेकर लंबे समय से जगह की तलाश हो रही है। इसलिए केंद्री स्टेशन में कोचिंग डिपो बनाने की तैयारी चल रही है। भविष्य में यहीं से मंडल की ट्रेन मुख्य स्टेशन के लिए रवाना होगी। नवा रायपुर के केंद्री में स्टेशन बनकर तैयार हो चुका है, जबकि अभनपुर और नया रायपुर व मुक्तांगन स्टेशन में कार्य जारी है। नवा रायपुर से धमतरी के बीच छोटी रेल लाइन पर बड़ी पटरी बिछाने का काम इन दिनों तेजी से चल रहा है। रेलवे मंडल के अधिकारियों के मुताबिक रायपुर स्टेशन से रवाना होने वाली गरीब रथ और सिकंदराबाद एक्सप्रेस रायपुर मंडल की ट्रेन है। वर्तमान में ट्रेन के रायपुर पहुंचते ही प्लेटफार्म में ही सफाई होती और पानी भरकर रवाना किया जाता है। कोचिंग डिपो बनाने के बाद मंडल की इन ट्रेनों की सफाई और बेहतर होने लगेगी।इसके अलावा केंद्री में डिपो बनने से मंडल की जो ट्रेन दुर्ग से रायपुर आती है, वह सीधे केंद्री स्टेशन जाएगी। दुर्ग से रायपुर आने में ट्रेनों को 45 मिनट का समय लगता है, जबकि केंद्री से रायपुर आने में 20 से 25 मिनट लगेगा।

पीएम सूर्यघर योजना में छत्तीसगढ़ को बनाएं देश का अग्रणी राज्य

❐ आरईसी के सीएमडी विवेक देवांगन ने ली समीक्षा बैठक

कोरबा । आरएनएस

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज मुख्यालय में आरईसी (ग्रामीण विद्युतीकरण निगम) के चेयरमेन-एमडी विवेक कुमार देवांगन ने विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने पीएम-सूर्यघर योजना एवं आरडीएसएस योजना के विभिन्न घटकों के कार्य तेजी से पूरा करने के निर्देश दिए और कहा कि इस योजना को प्रदेश के घरेलू उपभोक्ताओं तक पहुँचाने के लिए विशेष अभियान चलाया जाए। शहरी क्षेत्रों में बने पक्के मकानों की छतों में सोलर पैनल लगाकर लोगों को बिजली उत्पादन के लिए प्रेरित करें, इससे उनके घर का बिजली बिल बहुत कम हो जाएगा। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज के डंगनिया स्थित मुख्यालय विद्युत सेवा भवन में 6 मई को आयोजित बैठक की अध्यक्षता छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज के चेयरमेन पी दयानंद ने की। इस अवसर पर प्रबंध निदेशक द्वय राजेश कुमार शुक्ला एवं एसके कटियार विशेष रूप से उपस्थित थे। देवांगन ने कहा कि पीएम सूर्यघर योजना, आर.डी.एस.एस का प्रस्तुतिकरण देखा तथा बिंदुवार विषयों की समीक्षा की। उन्होंने उम्मीद जताई है कि इन दोनो योजनाओं के क्रियान्वयन में छत्तीसगढ़ को देश के पाँच अग्रणी राज्यों में शामिल कराने के लिए गंभीरता से प्रयास करेंगे। पॉवर कंपनी के अधिकारियों ने बैठक में बताया कि प्रदेश में 60 लाख से अधिक उपभोक्ताओं को निर्बाध विद्युत आपूर्ति की जा रही है। इनमें से 42 लाख घरेलू उपभोक्ताओं को 400 यूनिट तक की खपत पर हाफ बिजली योजना का लाभ दिया जाता है, उन्हें आधा बिल देना होता है। पीएम सूर्यघर योजना के तहत यदि वे अपने घर की छत पर सोलर प्लांट लगवाते हैं तो उनका बिजली बिल और भी कम हो जाएगा, जिससे उन्हें प्रत्यक्ष आर्थिक लाभ होगा।

आरईसी के सीएमडी देवांगन ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचे और हर आवेदक से स्वयं संपर्क कर उनकी समस्याओं का निराकरण करें। उन्हें इस योजना के लिए बैंक से वित्तीय ऋण उपलब्ध कराने में सहयोग करें। उन्होंने वेंडरों की संख्या बढ़ाने के निर्देश दिए ताकि प्रति सौ उपभोक्ताओं के बीच एक वेंडर हो। वेंडर से संपर्क स्थापित कर इस प्रक्रिया को 15 से 20 दिन में पूर्ण कराएं ताकि इस योजना के लक्ष्य को जल्द से जल्द प्राप्त कर लिया जाए। देवांगन ने आरडीएसएस योजना के तहत प्रदेशभर में लगने वाले सभी स्मार्ट मीटर की प्रगति की जानकारी ली। अधिकारियों ने बताया कि स्मार्ट मीटर लगाने के लिए सभी प्रक्रिया पूर्ण कर ली गई है, वितरण ट्रांसफॉर्मर और फीडर में स्मार्ट मीटर लगाए जा रहे हैं, इसके बाद घरेलू उपभोक्ताओं के घरों में स्मार्ट मीटर लगाए जाएंगे। देवांगन ने कहा कि स्मार्ट मीटर से पीएम सूर्यघर योजना के लिए अलग से नेट मीटर लगाने की आवश्यकता नहीं रहेगी। प्रदेश में ऐसी भूमि पर बड़े पैमाने में सोलर परियोजनाएं स्थापित की जाए जहाँ खेती नहीं होती है। वहीं पीएम सूर्यघर योजना के हितग्राहियों की संख्या बढ़ाने के लिए अधिक एजेंसियों द्वारा बड़े पैमाने पर कार्य किया जाए। उन्होंने छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के लाइन लॉस एवं बकाया बिलों व लाभ की भी जानकारी ली। बैठक में आरईसी के प्रोजेक्ट हेड प्रदीप फैलोस सहित पॉवर कंपनी के कार्यपालक निदेशक सर्वश्री भीम सिंह कंवर, आरए पाठक, वीके साय, आलोक सिंह, सरोज तिवारी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। योजनाओं का पॉवर पाइंट प्रस्तुतिकरण सीई राजेन्द्र प्रसाद एवं एसई एन बिम्बिसार ने किया। कार्यक्रम का संचालन अतिरिक्त महाप्रबंधक उमेश कुमार मिश्र ने किया।

रायपुर स्टेशन परिसर शराब पीते पकड़े गए कुली, सिविल ड्रेस में अचानक पहुंचे थे सीनियर डीसीएम

रायपुर । आरएनएस

रेलवे स्टेशन पर शराब खोरी करते कुलियों की सीनियर डीसीएम ने खबर ली। सोमवार को सिविल ड्रेस में पहुंचे सीनियर डीसीएम अवधेश कुमार त्रिवेदी ने निरीक्षण के दौरान विश्राम गृह में कुली शराब पीते पकड़े गए। कुलियों को इस प्रकार देख सीनियर डीसीएम काफी नाराज हुए और जमकर लताड़ा। भविष्य में ऐसा दोबारा करते पकड़े जाने पर लाइसेंस निरस्त करने की चेतावनी दी। सीनियर डीसीएम अवधेश कुमार त्रिवेदी के निरीक्षण के दौरान शराब पीते पकड़े जाने पर रायपुर स्टेशन पर कार्यरत कुली बिल्ला क्रमांक 165 सुभाष निर्मलकर ने लिखित में स्वीकार किया कि वह और उसके साथी मदिरापान कर रहे थे। सुभाष निर्मलकर के साथ भुवन साहू, अरुण निर्मलकर झराड प्रसाद भी साथ में मदिरापान कर रहे थे, भविष्य में इस तरह की घटना ना हो इस हेतु उन्होंने संबंधित रेल कर्मियों को भी हिदायत दी और कुली का बिल्ला 165 क्रमांक जमा कर लिया गया है।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने पाया कि क्लॉक रूम में कार्यरत स्टाफ अपने कार्यों को बेहतरीन तरीके से कर रहे थे, यात्रियों से व्यवहार भी सौम्य था एवं स्टॉल पर ओवरचार्जिंग भी नहीं पाई गई। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक अवधेश कुमार त्रिवेदी जी ने सभी यात्रियों को आगाह किया है कि किसी भी प्रकार की अनियमित गतिविधियां अगर स्टेशन में पाई जाती है तो तुरंत 139 रेलवे हेल्पलाइन पर अपनी शिकायत दर्ज करें।

सेफ बबल में बैठे दिखे पुरुष यात्री

निरीक्षण के दौरान सीनियर डीसीएम ने पाया कि अक्षिता सेफ बबल महिलाओं के लिए आरक्षित प्लेटफार्म पर ओपन प्रतीक्षालय में पुरुष बैठे पाए गए। इस दौरान उन्होंने पुरुष यात्रियों को समझाइश दी। रेलवे द्वारा अपने महत्वपूर्ण स्टेशनों रायपुर, दुर्ग एवं भिलाई स्टेशनों के सामान्यतया प्लेटफार्म नंबर 1 पर एक ऐसे जगह को चिन्हांकित किया जो कि प्लेटफार्म के लगभग मध्य स्थित हो, रेलवे सुरक्षा बल के पोस्ट, स्टेशन मास्टर आदि रेल कार्यालय के निकट हो। यहां अनिवार्यतया सीसीटीवी कैमरे लगें हो, पानी आदि की सुविधा निकट हो। इन स्टेशनों पर उपर्युक्त संदर्भित सुविधाओं को देखते हुए ऐसे स्थानों को चिन्हाकित कर उन्हें बैरिकेट कर एक सेफ बबल का निर्माण किया गया। इन स्थानों पर रेलवे सुरक्षा बल की महिला कर्मी लगातार निगरानी करती हैं। इसमें पुरुष यात्रियों का प्रवेश वर्जित रहता है जिसके कारण अकेली प्रतीक्षारत महिलाएं सहज भाव से बिना किसी हिचक के आराम के साथ प्लेटफार्म पर अपना प्रतीक्षा समय व्यतीत करती है। चिन्हांकित स्थान होने के कारण प्रत्येक रेलकर्मी की नजर इस सेफ बबल पर रहती है जिससे यह स्थान महिलाओं के लिए सुरक्षात्मक दृष्टि से उपयुक्त है। सीसीटीवी कैमरे की नजर में इस स्थान के रहने से रेलवे सुरक्षा बल नियंत्रण कार्यालय लगातार इस पर अपनी नजर रखता है।

आत्मानंद स्कूलों को पीएमश्री में मर्ज करने के फैसले पर पैरेंट्स एसोसियेशन ने उठाए सवाल

दुर्ग । आरएनएस

कांग्रेस सरकार द्वारा स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल वर्ष 2020 में आरंभ किया गया, और हिन्दी माध्यम स्कूल वर्ष 2022 में आरंभ किया गया। वर्तमान में कुल 751 स्वामी आत्मानंद स्कूल पूरे प्रदेश में संचालित है, जिसमें लगभग पांच लाख बच्चें पंजीकृत है और 14 हजार शिक्षक पदस्थ है। सरकारी हिन्दी मीडियम स्थापित स्कूलों को बंद कर उसे स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी मीडियम स्कूल बनाया गया। अब स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी मीडियम स्कूलों को बंद कर पीएमश्री स्कूल बनाया जा रहा है, जिसको लेकर अब पैरेंट्स एसोसियेशन ने सरकार की मंशा पर सवाल उठाया है। छत्तीसगढ़ पैरेंट्स एसोसियेशन के प्रदेश अध्यक्ष क्रिष्टोफर पॉल ने स्कूल शिक्षा विभाग और डीपीआई को पत्र लिखकर जानकारी सार्वजनिक करने की मांग की है। पॉल का कहना है कि आचार संहिता लगा हुआ है और प्रदेश के 311 स्वामी आत्मानंद स्कूलों को पीएमश्री स्कूल में मर्ज करने पंजीयन कराया जा रहा है, जबकि यह नितिगत निर्णय है और इस प्रकार का कोई निर्णय कैबिनेट की बैठक में कभी लिया ही नहीं गया, बावजूद इसके शिक्षा विभाग के अधिकारियों के द्वारा स्वामी आत्मानंद स्कूलों को पीएमश्री स्कूल में पंजीयन कराया जा रहा है, जो उचित नहीं है।

सिमकेदा में ग्रामीणों की मेहनत पर हाथियों के दल ने पानी फेरा

कोरबा । आरएनएस

वनमंडल कोरबा अंतर्गत कुदमुरा रेंज के सिमकेदा गांव में मौजूद 4 हाथियों के दल ने बीती रात धरमजयगढ़ क्षेत्र का रूख करते हुए उदा जंगल पहुंच गया। हाथियों ने जाने से पहले यहां 7 ग्रामीणों के खेतों में लगे धान की फसल को रौंद दिया जबकि कोरबा रेंज अंतर्गत कोरकोमा जंगल में घूम रहे 23 हाथियों का दल कमरन, छिंदकोना के रास्ते चचिया पहुंच गया है। हाथियों के इस दल ने भी रास्ते में कई किसानों की फसल को नुकसान पहुंचाया है। सिमकेदा में हाथियों द्वारा फसल रौंदे जाने की सूचना मिलने पर वन विभाग के अधिकारी व कर्मचारी आज सुबह मौके पर पहुंचे और नुकसानी का आंकलन करने के साथ ही रिपोर्ट तैयार की। हाथियों के उत्पात से ग्रामीणों को काफी नुकसान उठाना पड़ा है।

जानकारी के अनुसार कोरबा वनमंडल में इन दिनों हाथी समस्या लगातार बनी हुई है। यहां बड़ी संख्या में हाथी मांड नदी पार कर कुदमुरा रेंज पहुंचते हैं और क्षेत्र में विचरण करने के साथ धान की फसल को रौंदने के बाद फिर वापस धरमजयगढ़ चले जाते हैं। यह सिलसिला काफी दिनों से चल रहा है जिससे क्षेत्र के ग्रामीण काफी परेशान हैं। वहीं वन विभाग भी हलाकान है। उसके अधिकारी व कर्मचारी हाथी समस्या को लेकर अलर्ट भी हैं। हाथियों के क्षेत्र में पहुंचने की सूचना मिलते ही वन विभाग के अधिकार व कर्मचारी ग्रामीणों को सतर्क करने के साथ ही हाथियों की निगरानी में जुट जाते हैं। इस बीच कटघोरा वनमंडल के जटगा परिक्षेत्र में घूम रहे दंतैल हाथी ने आगे का रूख कर लिया है और बासिन परिसर पहुंचने के साथ जंगल में डेरा डाल दिया है।

खरीफ फसल के लिए किसान करें खाद बीज का अग्रिम उठाव

❐ जिले के सहकारी समितियों से खाद बीज वितरण शुरू

गरियाबंद । आरएनएस

खरीफ सीजन 2024-25 प्रारम्भ होने को है, जिले के किसान खेती की तैयारी शुरू कर सकते है। फसल तैयारी और खाद बीज उठाव के संबंध में कृषि विभाग द्वारा आवश्यक सूचना जारी की गई है। उप संचालक कृषि ने बताया कि जिले के सहकारी समितियों में खाद बीज का भंडारण किया जा रहा है। साथ ही कृषकों को कृषि ऋण के तहत् बीज, खाद का वितरण शुरू हो चुका है। किसान आवश्यकता अनुसार बीज खाद का अग्रिम उठाव कर सकते है। किसानों को कृषि विभाग की तरफ से सुझाव भी जारी किए गए है। इसके तहत किसान हरी खाद हेतु सनई, ढ़ेचा की बुआई प्रारम्भ कर सकते है। पोषक तत्व प्रबंधन हेतु रासायनिक उर्वरक, जैव उर्वरक, जैविक खाद, नेनो डी.ए.पी. नेनो युरिया आदि विकल्पो का उपयोग किया जा सकता है। वर्तमान में सहकारी समितियों में डी.ए.पी. 1350 रूपये बोरी, युरिया 266.50 रूपये बोरी, सिगल सुपर फास्फेट 475 रूपये बोरी, पोटाश 1625 रूपये बोरी, एन.पी.के.12:32:16, 20:20:0:13 आदि उर्वरकों का भंडारण किया जा चुका है। तथा वितरण शुरू हो चुका है। शून्य प्रतिशत ब्याज दर होने के कारण अग्रिम उठाव करने पर कृषकों को अतिरिक्त ब्याज पृथक से नही देना होता है। किसान डी.ए.पी. के विकल्प के रूप में नेनो डी.ए.पी, सिगल सुपर फास्फेट, एन. पी. के 12:32:16, ग्रोमोर आदि उर्वरकों का उपयोग भी कर सकते है। कृषि विभाग के अधिकारियों ने किसानों से कहा है कि अधिक से अधिक संख्या में किसान बीज, उर्वरकों का अग्रिम उठाव कर लाभ उठायें तथा शत् प्रतिशत उर्वरकों का क्रय पॉस मशीन के माध्यम से करें एवं उर्वरक बीज के बिल पर्ची अवश्य लेवें, जिससे बीज, उर्वरकों की कालाबाजारी को रोका जा सके।

सिकासार जलाशय का गेट 10 से होगा बंद जल, उपलब्धता के आधार पर लिया गया निर्णय : जलाशय में 26.91 प्रतिशत ही जल बाकी

गरियाबंद । आरएनएस

सिकासार जलाशय से रबी फसल सिंचाई के लिए, राजिम मेला एवं निस्तारी हेतु 1 जनवरी 2024 से निरंतर पानी प्रदाय किया जा रहा है। जलभराव क्षमता के विरुद्ध जलाशय में उपलब्ध जल को ध्यान में रखते हुए 10 मई से सिकासार जलाशय का गेट बंद कर दिया जाएगा। कार्यपालन अभियंता जल संसाधन संभाग गरियाबंद ने बताया कि सिकासार जलाशय की जलभराव क्षमता 198.88 मि.घ.मी. है। 2 मई 2024 की स्थिति में जलाशय में 53.54 मि.घ.मी. जल उपलब्ध है, जो कि जलाशय के पूर्ण जलभराव का मात्र 26.91 प्रतिशत है। चूँकि आगामी खरीफ फसल वर्ष 2024- 25 हेतु गरियाबंद, धमतरी जिले के लिए 38.00 मि.घ.मी. एवं माह मई 2024 में निस्तार के लिए पानी आरक्षित रखा जाना है। इस हेतु कलेक्टर दीपक अग्रवाल द्वारा जलाशय में उपलब्ध जल के आधार पर पानी बंद किए जाने का निर्देश दिया गया। अत: जल उपलब्धता को ध्यान में रखते हुए सिकासार जलाशय का गेट 10 मई से बंद किया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि जिला जल उपयोगिता समिति की बैठक 23 जनवरी 2024 को कलेक्टर दीपक अग्रवाल की अध्यक्षता में आयोजित किया गया था। बैठक में उपस्थित राजिम विधायक रोहित साहू एवं बिन्द्रानवागढ़ के विधायक जनक ध्रुव तथा अन्य सदस्य अधिकारीगण द्वारा सिकासार जलाशय से रबी फसल हेतु पैरी दांयी तट मुख्य नहर से 2625 हेक्टेयर एवं लघु जलाशय से 838 हेक्टेयर क्षेत्र में पानी दिये जाने की सहमति व्यक्त की गई। सिकासार जलाशय से रबी फसल, राजिम मेला एवं निस्तारी हेतु 1 जनवरी 2024 से निरंतर पानी प्रदाय किया जा रहा है। पैरी दांयी तट नहर से गरियाबंद जिले के छुरा एवं फिंगेश्वर विकासखण्ड के 14 ग्रामों के 19 तालाबों एवं धमतरी जिले के मगरलोड़ विकासखण्ड के 28 ग्रामों के 49 तालाबों में निस्तारी हेतु पानी भरा गया है।

खरीफ फसल के लिए किसान करें खाद बीज का अग्रिम उठाव

❐ जिले के सहकारी समितियों से खाद बीज वितरण शुरू

गरियाबंद । आरएनएस

खरीफ सीजन 2024-25 प्रारम्भ होने को है, जिले के किसान खेती की तैयारी शुरू कर सकते है। फसल तैयारी और खाद बीज उठाव के संबंध में कृषि विभाग द्वारा आवश्यक सूचना जारी की गई है। उप संचालक कृषि ने बताया कि जिले के सहकारी समितियों में खाद बीज का भंडारण किया जा रहा है।साथ ही कृषकों को कृषि ऋण के तहत् बीज,खाद का वितरण शुरू हो चुका है।किसान आवश्यकता अनुसार बीज खाद का अग्रिम उठाव कर सकते है।किसानों को कृषि विभाग की तरफ से सुझाव भी जारी किए गए है।इसके तहत किसान हरी खाद हेतु सनई,ढ़ेचा की बुआई प्रारम्भ कर सकते है।

पोषक तत्व प्रबंधन हेतु रासायनिक उर्वरक,जैव उर्वरक,जैविक खाद,नेनो डी.ए.पी. नेनो,युरिया आदि विकल्पो का उपयोग किया जा सकता है। वर्तमान में सहकारी समितियों में डी.ए.पी. 1350 रूपये बोरी, युरिया 266.50 रूपये बोरी,सिगल सुपर फास्फेट 475 रूपये बोरी, पोटाश 1625 रूपये बोरी,एन.पी.के. 12:32:16, 20:20:0:13 आदि उर्वरकों का भंडारण किया जा चुका है।तथा वितरण शुरू हो चुका है। शून्य प्रतिशत ब्याज दर होने के कारण अग्रिम उठाव करने पर कृषकों को अतिरिक्त ब्याज पृथक से नही देना होता है। किसान डी.ए.पी. के विकल्प के रूप में नेनो डी.ए.पी, सिगल सुपर फास्फेट,एन. पी. के 12:32:16,ग्रोमोर आदि उर्वरकों का उपयोग भी कर सकते है।कृषि विभाग के अधिकारियों ने किसानों से कहा है कि अधिक से अधिक संख्या में किसान बीज,उर्वरकों का अग्रिम उठाव कर लाभ उठायें तथा शत् प्रतिशत उर्वरकों का क्रय पॉस मशीन के माध्यम से करें एवं उर्वरक बीज के बिल पर्ची अवश्य लेवें,जिससे बीज,उर्वरकों की कालाबाजारी को रोका जा सके।

SJU - Contact No. +91 9301915303 E-mail ID- sjunion29@gmail.com

Social Justice Union

Registered with Govt. No. 5526

Join SJU

अधिकार से न्याय तक

आवश्यकता

इस संघ का गठनसम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में पीड़ितो को न्याय दिलाने के लिए किया गया है, जिसे छत्तीसगढ़ शासन से मान्यता प्राप्त है, जिसका क्रमांक 5526 है, तथा सम्पर्क हेतु नं0 9301915303 है। इस संघ के गठन पर संघ के संरक्षक एवं लीगल एडवाईज़र श्री तथागत श्रीवास्तव (अधिवक्ता, माननीय उच्च-न्यायालय), एवं गवर्निंग बोर्ड के सदस्यों कु0 सी.बी.वर्मा, श्रीमती ऐकता श्रीवास्तव, श्रीमती रजनी राकुन्दे एवं अन्य ने शासन को धन्यवाद ज्ञापित किया, और कहा कि संघ के पास सामाजिक अन्याय अथवा मानवाधिकार हनन सम्बंधी तथ्य के प्रस्तुत होने पर, उसे लिखित में शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन एवं सक्षम व्यक्तियों के समक्ष संघ की ओर से प्रस्तुत किया जावेगा। साथ ही, विधि, न्याय सम्बंधी कार्य हाथ में लेकर बेसहारा, गरीब, परित्यक्ता, विधवाओं के उत्थान के लिए कार्य किया जावेगा।

उद्देश्य एवं नियुक्तियां

मुख्य रूप से संघ का उद्देश्य छत्तीसगढ़ प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर में सामाजिक न्याय हेतु प्रचार-प्रसार करना, तथा मानवाधिकार हेतु जागरूकता पैदा करना है। संघ साक्षरता एवं अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से मानवाधिकार के सम्बंध में प्रचार प्रसार करना चाहता है। इस हेतु प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर पर सामाजिक न्याय एवं मानवाधिकार संरक्षण केन्द्र की स्थापना की जावेगी, और उनमें संघ के द्वारा आधिकारिक नियुक्तियाँ की जावेंगी। प्रत्येक व्यक्ति इस संघ में सदस्य बन सकता है, जिसके लिए संघ के द्वारा निर्धारित नियम एवं शर्तो का पालन किया जाना अनिवार्य है। इस हेतु सदस्यता फार्म संघ के प्रधान कार्यालय में उपलब्ध है।

मुख्य बिन्दु

प्रताड़ित एवं पीड़ित व्यक्ति की समस्याओं को सुनना, आवेदन लेना तथा पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए उचित साधन एवं संसाधनों की जरूरत के अनुसार व्यवस्था करना मूल रूप से इस संघ का कार्य है। पीड़ित व्यक्तियों को न्यायिक, गैर-न्यायिक एवं सामाजिक समस्या पर विधिनुसार एवं संविधान के अनुसार आवश्यक मदद की जावेगी।

पीड़ित संपर्क करें

संघ विशेष रूप से मानवाधिकार दिलाने एवं सामाजिक न्याय प्राप्ति हेतु पीड़ित मानव की हर संभव मदद करेगा तथा इस हेतु पीड़ित मानव के लिए भारतीय संविधान के तहत् विधिक सहायता की व्यवस्था आवश्यकतानुसार करेगा। यदि कोई पीड़ित है तो इस संघ से सम्पर्क कर सकता है।

अन्य बिन्दु

- संघ पर्यावरण संरक्षण एवं पर्यावरण सम्बंधी चेतना हेतु भी जागरूकता लाने का प्रयास करेगा।
- पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश मे महिलाओं के अधिकार, श्रमिकों के अधिकार, आदिवासियों के अधिकार, अनुसूचित जाति-जनजातियों के अधिकारों के सम्बंध में विधिक एवं संवैधानिक तौर के कार्यक्रमों को इस संघ द्वारा संचालित किया जावेगा तथा प्रत्येक पीड़ित को उसके कर्तव्यों एवं अधिकारों के बारे में सचेत किया जावेगा। न्याय प्राप्ति हेतु हर संभव मदद की जावेगी।
- संघ शासन से मान्यता प्राप्त है, अतः शासन एवं प्रशासन में विभिन्न पदों पर आसीन् तक पीड़ित की परेशानी को आसानी से पहुँचाया जा सकता है। इस हेतु संघ शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन व्यक्तियों से मुलाकात कर पीड़ित को न्याय दिलाने में समस्त सहायता भी करेगा।
- संघ द्वारा संवैधानिक शिक्षा एवं सामाजिक विकास से सम्बंधित रिसर्च कार्यक्रम किए जावेंगे, एवं समान उद्देश्यों वाली अंर्तराष्ट्रीय, राष्ट्रीय, सरकारी तथा गैरसरकारी संस्थाओं के साथ मिलकर काम किया जावेगा।
- संघ सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए कार्यशाला का आयोजन भी करेगा। संघ देश के भूले बिसरे पर महान विभूतियों के सम्मान में कार्यक्रम भी आयोजित करायगा।

पढ़िए .... न्यायसाक्षी समाचार-पत्र

:: Address ::
Behind Stadium
Near Career
School, Raigarh,
C.G.
Pin 496001

www.nyaysakshi.com

सभी से अपील की गई है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में संघ से जुड़कर साथ का साथ दिया जावे ताकि प्रत्येक पीड़ित मानव को न्याय मिल सके एवं एक अच्छे समाज का निर्माण हो सके।

Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU